फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 130 प्रभात जयपुर, रविवार 11 दिसम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

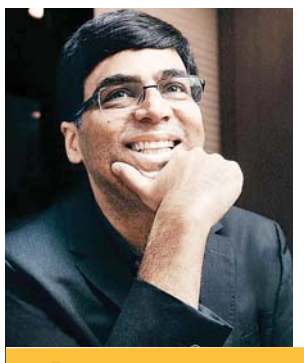

**Average age dropping, but careers getting shorter: GM Anand**

The way I see it, I served as an inspiration. Made people excited about chess…

**Messi Joy After Brazilian Heartbreak**

South America's best team are heading home. The world's most adored player, however, is staying on.

*भारतीय क्रिकेटर ईशान किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शनिवार को 210 रन की तूफानी पारी खेली और वनडे क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गये। किशन ने चंटगांव (बांग्लादेश) में खेले गये मुकाबले में 131 गेंदों पर 24 चौंके और 10 छक्कों के साथ 210 रन बनाये। उन्होंने 126 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा किया। इससे पहले क्रिस गेल ने 2015 में 138 गेंदों पर दोहरे शतक का आंकड़ा छुआ था। इसके साथ ही किशन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले सातवें बल्लेबाज भी बन गये। किशन के अलावा इस प्रारूप में रोहित शर्मा ने तीन बार, जबकि सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, गेल, फखर ज़मान और मार्टिन गप्टिल ने एक-एक दोहरा शतक जड़ा हैं। कप्तान रोहित शर्मा के अंगूठे में चोट लगने के बाद 24 वर्षीय किशन को टीम में मौका दिया गया था। झारखण्ड के 24 वर्षीय क्रिकेटर ने मौके का पूरा-पूरा फायदा उठाते हुए 210 रन बनाये और एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गये। मैच में भारत ने कुल 409 रन बनाये जिसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 182 रन पर ही ऑलआउट हो गई और भारत ने यह मैच 227 रन से जीत लिया।*

# शपथ ग्रहण समारोह में खड़गे, प्रियंका व राहुल भी शामिल होंगे

## रविवार को प्रातः ग्यारह बजे आयोजित इस समारोह में सुक्खू को मु.मंत्री व वीरभद्र सिंह समर्थक मुकेश अग्निहोत्री को उप मु.मंत्री की शपथ दिलायी जायेगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। सुखविंदर सुक्खु, वह व्यक्ति है जो तकनीकी रुप से शिमला के निकट मशोबरा में प्रियंका के घर के मालिक हैं, उन्हें हिमाचल प्रदेश का नया मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। हालिया चुनाव में राज्य की 68 सीटों में से कांग्रेस ने 40 सीटे जीतकर बहुमत प्राप्त किया है।

वीरभद्र सिंह के समर्थक और 5 बार के विधायक ब्राह्मण नेता मुकेश अग्निहोत्री को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

- पूर्व मु.मंत्री, दिवंगत वीरभद्र सिंह के पुत्र विक्रमादित्य को भी मंत्रिमण्डल में महत्वपूर्ण विभाग मिलने की चर्चा है।

राहुल और प्रियंका के करीबी माने जाने वाले सुखविंदर को इन दोनों ने स्व. वीरभद्र की पत्नी रानी प्रतिभा सिंह पर तवज्जो दी है। रानी प्रतिभा सिंह ने वीरभद्र की विरासत के नाम पर मुख्यमंत्री पद पर दावा किया था। प्रदेश अध्यक्ष के रुप में उन्होंने पार्टी का चुनाव अभियान चलाया था, वहीं सुखविंदर प्रचार अभियान कमेटी के प्रमुख थे।

गांधी परिवार ने पुराने सिस्टम को परे रखकर निष्ठावान को तरजीह दी है। एक रोड ट्रांसपोर्ट ड्राइवर के पुत्र 58 वर्षीया सुक्खु युवावस्था में दूध बेचते थे।

प्रतिभा सिंह ने सुक्खु को मुख्यमंत्री के रुप में स्वीकार करने से मना कर दिया क्योंकि सुक्खु के वीरभद्र सिंह से अच्छे सम्बंध नहीं थे और वे लगातार उन्हें चुनौती देते रहे।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या रानी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करेंगी या फिर प्रदेश अध्यक्ष बनी रहेगी। उनके पुत्र विक्रमादित्य भी दौड़ में थे पर उन्हें अच्छा विभाग देकर मना लिया जाएगा।

निर्णय से पूर्व काफी नारेबाजी और प्रदर्शन हुए दावेदारों ने अपने समर्थको से शक्ति प्रदर्शन करवाया। पर सारा नाटक शाम को खत्म हो गया जब हाईकमान, जिन्हें मुख्यमंत्री का चयन करने का अधिकार दिया गया था, ने सुखविंदर को चुना जिनके पास आधे से ज्यादा विधायकों का समर्थन है।

शपथ ग्रहण समारोह रविवार को 11 बजे होगा जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे राहुल गांधी और प्रियंका के भाग लेने की संभावना है।

## डॉ. सतीश पूनिया का राहुल गांधी से छठा सवाल

जयपुर, 10 दिसम्बर (का.सं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से छठा सवाल किया कि अवैध खनन पर रोक कब लगेगी। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी गुस्ताखी माफ, आज फिर आपको चेताने के लिए आया हूं, हमेशा की तरह आपका जवाब तो नहीं आया, पर मेरा धर्म है कि मैं आपकी कांग्रेस पार्टी जो यहां सरकार चला रही है, उस पार्टी के और सरकार के भीतर जो मुद्दे हैं, उन्हें आप तक ठीक तरीके से पहुंचाऊँ।"

उन्होंने कहा, मुद्दे आप तक पहुंचे या नहीं, मुझे पता नहीं, मेरा सवाल वही

- राजस्थान के जनहित के मुद्दों को लेकर सतीश पूनिया ने राहुल गांधी से पूछा, अवैध खनन पर रोक कब लगेगी?

है जो आपकी खुद की पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री भरत सिंह कुंदनपुर का है, वो अक्सर चिट्ठी पत्री करते हैं। भरत सिंह कुंदनपुर ने जिस बात को सबसे ज्यादा उठाया, दो मसले थे जिसमें खासतौर पर बड़ा मसला था वह था अवैध खनन का, उसमें इतना तक उन्होंने किया कि मुख्यमंत्री से मंत्री की बर्खास्तगी तक की मांग की। तो क्या भरत सिंह की उस मांग पर आप संज्ञान लेंगे, हमारी और जनता की भले ही आप ना सुनें, पर क्या आपकी अपनी पार्टी के हैं कम से कम भरत सिंह जी की जिज्ञासा

( शेष पृष्ठ 7 पर )

# प्र.मंत्री मोदी राष्ट्रपति पुतिन से वन-टू-वन मीटिंग का बहिष्कार करेंगे

## जी-20 की अध्यक्षता संभालने के बाद, भारत का पहला निर्णय

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। खबर है कि यूक्रेन युद्ध में परमाणु हथियारों का प्रयोग करने की पुतिन की धमकी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस के राष्ट्रपति के साथ आमने-सामने की मुलाकात करने से बच रहे हैं।

प्रतिष्ठित एवं व्यापक प्रभाव रखने वाली ब्लूमबर्ग न्यूज़ एजेंसी ने विदेश मंत्रालय के अज्ञात सूत्रों का हवाला देकर इस घटनाक्रम की खबर दी।

यदि ऐसा होता है तो यूक्रेन के युद्ध के लिए यह एक स्पष्ट तोहमत होगी और भारत के इस रूख के लिए भी कि यह समय युद्ध का नहीं है।

मोदी ने समरकंद में आयोजित शंघाई को ऑपरेशन सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति के साथ हुई अपनी अंतिम बातचीत में स्पष्टत: कह दिया था कि भारत किसी मुद्दे का बल प्रयोग के माध्यम से समाधान करने के खिलाफ हे।

यदि द्विपक्षीय बातचीत निरस्त हो जाती है तो भारत के जी-20 देशों की अध्यक्षता ग्रहण करने के बाद जारी किए जाने वाला यह पहला स्टेटमैंट होगा। इसका मतलब होगा जी-20 की प्रक्रिया

- क्या बहिष्कार का मतलब होगा, भारत जी-20 की बैठकों में रूस को आमंत्रित नहीं करेगा?
- यह भारत का निर्णय काफी जोखिम भरा है, क्योंकि भारतीय सेना के अधिकांश हथियार व साज-सामान "रूसी ओरिजन" के हैं, अतः भारत को हथियारों के "स्पेयर पार्ट्स" की भारी दिक्कत हो सकती है।
- यह दिक्कत, भारत को अमेरिका व पाश्चात्य देशों की गोदी में और धकेलेगी, क्या रूस इस घटनाक्रम को स्वीकार करेगा?

में इस रूख का विस्तार करना, जिसमें जी-20 शिखर सम्मेलनों के लिए रूस के राष्ट्रपति को दिए जाने वाले निमंत्रणों को रद्द करना भी शामिल होगा।

जी-20, दुनिया की सबसे बड़ी बीस अर्थव्यवस्थाओं का एक बेहद प्रभावी संगठन है, इसका पिछला शिखर सम्मेलन इस माह ही इंडोनेशिया में हुआ था। इस प्रकार के शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति का बहिष्कार करने का मतलब रूस के सैन्य अभियान की कटु आलोचना करना हो सकता है।

भारत संयुक्त राष्ट्र में पश्चिमी देशों के उन प्रस्तावों के लिए वोटिंग में भाग लेने से इंकार करता रहा है, जिनमें यूक्रेन में आक्रमण को लेकर रूस की निंदा की गई थी। भारत ने रूस के खिलाफ लगाए गए पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का अनुसरण करने और रूस से तेल खरीदने को लेकर पश्चिमी देशों के उपदेश मानने से भी इंकार कर दिया था। तेल खरीद के बहिष्कार का उद्देश्य रूस की अर्थव्यवस्था का गला घोंटना था क्योंकि वह अपने राष्ट्रीय बजट के राजस्व के लिए तेल की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय पर ही निर्भर है।

भारत द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों की और रूस का तेल खरीदने को लेकर अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी

( शेष पृष्ठ 7 पर )

# सुक्खू का दावा: तीनों निर्दलीय विधायक कांग्रेस के समर्थन में हैं

## जैसा कि विदित ही है, ये तीनों विधायक भाजपा के बागी उम्मीदवार हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। कांग्रेस ने महारानी प्रतिभा सिंह के बजाए सुखविन्दर सिंह सुखू (58) को हिमाचल प्रदेश में पार्टी का नेता चुना है। सुखू चुनाव प्रचार मुहिम के प्रमुख थे। वह साढ़े छह वर्षों तक हिमाचल प्रदेश के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे हैं। प्रतिभा सिंह लोकसभा सांसद हैं। वह राज्य के सबसे बड़े कद के नेता एवं कई बार मुख्यमंत्री रहे स्व. वीरभद्र सिंह की विधवा हैं।

सुक्खू, जिन्हें शनिवार शाम कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री घोषित किया गया था वे सोमवार को मुकेश अग्निहोत्री के साथ शपथ लेंगे। उना जिले के हारोली से 5वीं बार जीते अग्निहोत्री, मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे और पूर्व विधानसभा में विपक्ष के नेता थे, उन्हें उप मुख्यमंत्री बनाया गया है।

हमीरपुर जिले के नादौन विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार निर्वाचित हुए और वीरभद्र सिंह के जीवनकाल में

- सुक्खू का यह भी दावा है कि, भाजपा के 7-8 विधायक भी कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं।
- सुक्खू ने अपने गृह जिले में हमीरपुर की पांच सीटों में से चार सीटें कांग्रेस को दिलायीं तथा पांचों निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी सुक्खू को समर्थन देने का ऐलान किया। इस प्रकार सुक्खू ने हमीरपुर को "भाजपा मुक्त" करने का भी दावा किया।
- लोअर हिमाचल क्षेत्र से मु.मंत्री बनने वाले कांग्रेस के पहले विधायक हैं सुक्खू। इससे पूर्व भाजपा के प्रेम कुमार धूमल हिमाचल के मु.मंत्री रहे हैं।

उनके प्रतिद्वंदी रहे सुखू ने शनिवार को कहा कि "हम वीरभद्र सिंह की विरासत साथ में लेकर चल रहे हैं।" उन्होंने दावा किया कि भाजपा के बागी रहे तीनों निर्दलीय विधायकों का उन्हें समर्थन प्राप्त है, जिससे उनके पक्ष के कुल विधायकों की संख्या 43 हो गई है। उन्होंने कांग्रेस की सबसे स्थिर सरकार देने का वादा करते हुए संकेत दिया कि विपक्षी भाजपा के 7 से 8 विधायक भी कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं।

मजेदार बात ये है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर चले संघर्ष के दौरान सुखू ने शुक्रवार को दावा किया था कि वे दौड़ में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि "पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और उसके आदेश का पालन करना मेरा कर्त्तव्य है।"

उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत छात्र राजनीति से की थी। वह वर्ष 1988 से 1995, सात वर्षों तक नैशनल स्टूडेण्ट यूनियन ऑफ इण्डिया (एन.एस.यू.आई.) के अध्यक्ष रहे।

सुखू पिछले 40 वर्षों से कांग्रेस की राजनीति में हैं। पार्टी नेतृत्व ने पर्यवेक्षकों की राय मानी, जिन्होंने बताया था कि बड़ी संख्या में विधायक सुखू के साथ हैं और प्रतिभा सिंह को उनके जितना समर्थन प्राप्त नहीं है और वह लोकसभा सदस्य भी हैं। यदि प्रतिभा सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो विधायकों के पाला बदलने का जोखिम पार्टी नहीं उठा सकती।

सुखू ने कांग्रेस में ऐसा सपोर्ट बेस तैयार किया, जिससे वह सर्वाधिक सशक्त पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का विरोध करना सुनिश्चित कर सके।

वीरभद्र सिंह के कड़े विरोध के बावजूद सुखू को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया था जिससे पता चलता है कि वह पार्टी में कितने लोकप्रिय थे। युवक कांग्रेस में 10 वर्ष बिताने के बाद उन्होंने नादौन विधानसभा क्षेत्र से चुनाव

( शेष पृष्ठ 7 पर )

# कांग्रेस ने साफ मैसेज दिया, मेहनत व पार्टी के प्रति वफादारी पुरस्कृत होगी

## सुक्खू के पक्ष में यह बात भी रही कि, राहुल गांधी ने भी सुक्खू के इन दोनों गुणों को सराहा था

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को स्पष्ट संकेत देते हुए कांग्रेस ने पार्टी के साधारण कार्यकर्ता सुखविंदर सिंह सुक्खु को हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पद के लिए चुना है। कार्यकर्ता के स्तर से उठे सुक्खु कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति के प्रमुख थे।

मुकेश अग्निहोत्री, जो निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता थे, को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। सभी 40 विधायकों ने सुक्खु को मुख्यमंत्री चुने जाने के पत्र पर हस्ताक्षर किए।

शनिवार को शिमला में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह घोषणा की।

- सुक्खू प्रदेशाध्यक्ष के पद पर छः साल रहे, 2013-2019 तक। हालांकि इस दौरान, छः बार मु.मंत्री रहे वीरभद्र सिंह से उनका संघर्ष व विरोध सर्वविदित था।
- सुक्खू के पिता एक सरकारी कर्मचारी थे तथा सुक्खू विद्यार्थी जीवन से ही राजनीति में सक्रिय थे और आर्थिक दृष्टि से उन्होंने काफी संघर्ष किया, न्यूज़ पेपर एजेंट के रूप में भी काम किया, जीविकापार्जन करने के लिये, पढ़ाई करते समय।
- सुक्खू के लिये सबसे बड़ी चुनौती होगी दिवंगत वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को संभालना। प्रतिभा सिंह स्वयं मु.मंत्री पद की उम्मीदवार थीं तथा वीरभद्र सिंह के परिवार की पुरानी रंजिश रही है सुक्खू से।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री रविवार को शपथ लेंगे।

केन्द्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा सभी विधायकों से बातचीत किए जाने के बार निर्णय की घोषणा की गई और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कर्नाटक फोन करके यह जानकारी दी गई। पार्टी हाईकमान आम कार्यकर्ता को यह संदेश देना चाहते हैं कि मेहनत और निष्ठा को पुरुस्कृत किया जाएगा। एक अन्य बात सुक्खु के पक्ष में गई वो यह थी कि राहुल गांधी पूर्व में उनकी तारीफ कर चुके हैं।

नादौन के विधायक सुखविंदर को पार्टी के अधिकांश विधायकों का समर्थन रहा है। उन्हें विधानसभा चुनावों का चुनाव प्रचार समिति को प्रमुख भी बनाया गया था।

छात्र नेता के रुप में शुरुआत करने वाले सुखविंदर जुझारु नेता है और 2013 से 2019 तक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे है हालांकि 6 बार पार्टी के मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह से उनकी कभी नहीं बनी।

उन्होंने पहली बार हमीरपुर की नादौन सीट से विधानसभा चुनाव जीता, 2007 में भी वे काबिज रहे पर 2012 में हार गए फिर 2017 और 2022 में वे पुन: यही से विजयी हुए।

निचले हिमाचल के वे पहले कांग्रेस नेता हैं जो सर्वोच्च पद पर पहुंचे है। हिमाचल का नालागढ़, उना, हमीरपुर कांगड़ा और कुलु की निचली पहाड़ियां "लोअर हिमाचल" का हिस्सा हैं। हमीरपुर से हिमाचल को दूसरा मुख्यमंत्री मिला है। भाजपा के प्रेम कुमार धूमल भी हमीरपुर के ही थे।

कांग्रेस ने 68 में से 40 सीटें जीतकर हिमाचल में भाजपा से सत्ता छीन ली है। यहां 12 नवम्बर को मतदान हुआ था और नतीजे 8 दिसम्बर को घोषित हुए थे। साधारण आदमी से मुख्यमंत्री बनने की सुखविंदर की कहानी किसी सपने से कम नहीं है जो किसी को भी प्रेरित कर सकती है। खासकर कांग्रेस के वे बिना किसी राजनैतिक विरासत के उच्च पद पर पहुंचे हैं। 27 मार्च 1964 को जन्मे सुक्खु हमीरपुर जिले के नादौन से चार बार विधायक रहे हैं, लेकिन आश्चर्यजनक बात यह है कि वह अपने तीन दशक लम्बे राजनीतिक करियर में कभी मंत्री, चीफ पार्लियामैन्टरी सैक्रेटरी (सी.पी.एस.) या यहां तक कि किसी

( शेष पृष्ठ 7 पर )

## भारी सुरक्षा के बाद भी चोरियां हो रही हैं ताज महल में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। ताजमहल में गाड्र्स का पहरा चौबीसों घंटे रहता है, लेकिन इसके बावजूद इसमें जड़ित कीमती पत्थर और

- आर.टी.आई. के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया गया है कि, हर साल ताज महल से कई कीमती पत्थर और नक्काशियाँ चोरी हो जाती हैं।

नक्काशियां प्रतिवर्ष गायब हो रहे हैं। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया (ए.एस.आई.) ने इस ऐतिहासिक इमारत के सौंदर्य को बनाए रखने के लिए नए पत्थर लगवाने पर ढाई करोड़ रूपए खर्च किए हैं।

नक्काशीदार पत्थरों के गायब होने

( शेष पृष्ठ 7 पर )

## तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी का पुनर्गठन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना में वर्ष 2023 के अंत में होने जा रहे विधानसभा चुनावों की तैयारी को लेकर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी की 40 सदस्यीय कार्यकारिणी का शनिवार को पुनर्गठन किया। ए. रैवन्त रेड्डी इसके अध्यक्ष बनाए गए हैं।

उन्होंने राज्य की एक 22 सदस्यीय

- तेलंगाना में 2023 के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं और उसे देखते हुए कांग्रेस ने तेलंगाना इकाई का पुनर्गठन किया है।

पॉलीटिकल अफेयर्स कमेटी का भी गठन किया। तमिलनाडू से सांसद एवं ए.आई.सी.सी. में तेलंगाना के प्रभारी बी. मणिकम टैगोर को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा 24 प्रदेश उपाध्यक्षों, 84 महासचिवों और सभी जिला इकाइयों में अध्यक्षें की नियुक्तियां भी की गईं।